ग्रामीण विकास से संबंधित जानकारी के प्रचार पर व्यय की गई राशि

922. **श्री राम जेठमलानी:**
श्रीमती सुषमा स्वराज:

क्या ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि ग्रामीण विकास के लिए आबंटित वार्षिक बजट का एक भाग ग्रामीण विकास से संबंधित आवश्यक जानकारी के प्रचार के प्रयोजनार्थ आबंटित किया गया था;

(ख) यदि हां, तो 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान सूचना के प्रचार पर कितनी-कितनी राशि व्यय की गई;

(ग) क्या चालू वित्तीय वर्ष 1995-96 के दौरान भी इस मद के अंतर्गत राशि निर्धारित की गई है;

(घ) यदि हां, तो निर्धारित राशि कितनी है; और

(ङ) प्रचार सामग्री तैयार करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित उद्देश्य और आधार क्या-क्या है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (ग्रामीण विकास विभाग) (श्री उत्तमभाई एच. पटेल) : (क) जी, हां।

(ख) सूचना के प्रचार के लिए खर्च की गई राशि के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:

वर्ष	राशि (रुपये लाख में)
1992-93	28.00 रुपए
1993-94	43.00 रुपए
1994-95	664.00 रुपए

(ग) और (घ) चालू वित्तीय वर्ष 1995-96 के दौरान इस मंत्रालय की विभिन्न कार्यक्रम मदों के अन्तर्गत 2278.00 लाख रुपए की राशि आबंटित की गई।

(ङ) इस कार्यक्रम का उद्देश्य टी.वी., आकाशवाणी, प्रेस, प्रिंट मीडिया, बाह्य प्रचार, गीत एवं नाटक, बहु प्रचार अभियानों के माध्यम से अन्तर वैयक्तिक संचार, इत्यादि संचार माध्यमों की मार्फत जागरूकता सृजन, सूचनाओं का प्रसार करना और लक्षित समूहों को सक्रिय बनाना है।

Plans for Special Rice Production

923. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the details of the plan for special rice production in the country particularly in the State of Punjab;

(b) whether it is a fact that Special Rice Production Programme has been implemented in Punjab;

(c) if so, the details thereof; and

(d) the central assistance rendered for the purposes in the State for special rice production?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MOHD. AYUB KHAN): (a) For increasing the production of cereals including rice, a Centrally Sponsored Integrated Cereal Development Programme in Wheat Based Cropping System Areas (ICDP — Wheat) is being implemented in the State of Punjab. For propogating the improved production technology of rice and other cereals, field demonstrations and farmers trainings are being organised through the above said Scheme. Besides, for motivating the farmers to use inputs, incentives are also being provided on certified seeds of rice and other cereals, improved farm implements, sprinkler sets etc.

(b) and (c) The Special Rice Production Programme which was implemented in the Eastern Region of the country during 1985-86 to 1989-90 did not cover the State of Punjab.

(d) Question does not a rise.

Liberalisation of Milk and Milk Procurement Order

924. SHRI BHUPINDER SINGH MANN Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) since when Liberalisation was initiated in respect of Milk and Milk Procurement Order (MMPO) and reasons therefore;

(b) what is the fate of milk procuring units that started during liberalised period;

(c) how many of them have been denied registration under MMPO;

(d) what is the justification for not registering those units which came up during liberalized period; and

(e) since when the necessity of obtaining licence for processing milk was discontinued?